



Boy



Girl

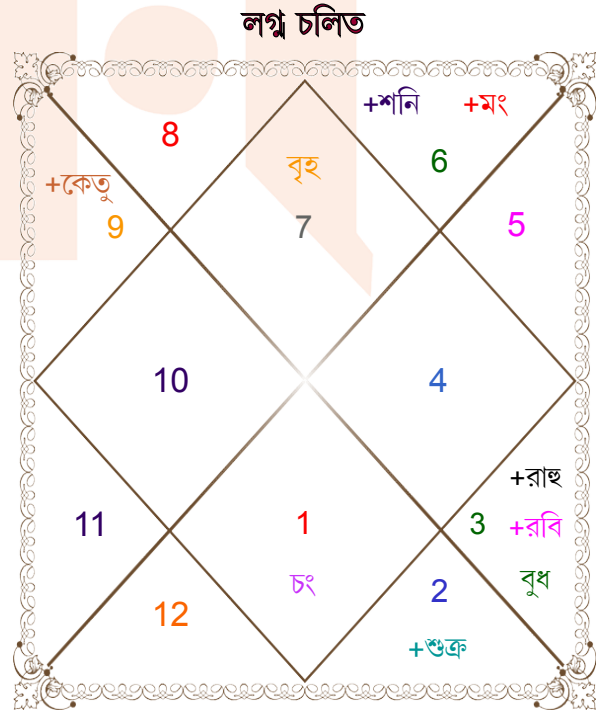
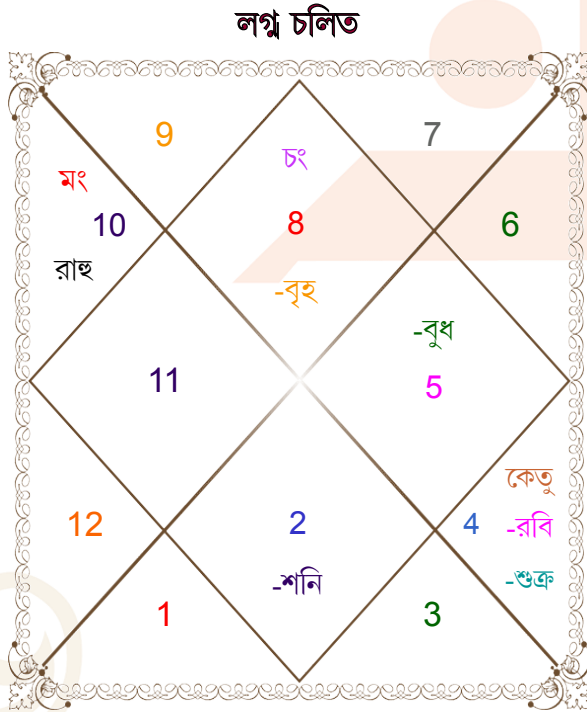
পুরুষ : _____ লিঙ্গ _____ : মহিলা
 02/08/1971 : _____ জন্ম তিথি _____ : 15/07/1982
 সোমবার : _____ দিন _____ : বৃহস্পতিবার
 ঘন্টা 15:45:00 : _____ জন্ম সময় _____ : 12:10:00 ঘন্টা
 ঘটা 25:27:39 : _____ জন্ম সময়(ঘটা) _____ : 16:52:10 ঘটা
 India : _____ দেশ _____ : India
 Kanpur : _____ স্থান _____ : Durgapur
 26:26:59 উত্তর : _____ অক্ষাংশ _____ : 23:31:13 উত্তর
 80:19:54 পূর্ব : _____ রেখাংশ _____ : 87:18:42 পূর্ব
 82:30:00 পূর্ব : _____ মধ্য রেখাংশ _____ : 82:30:00 পূর্ব
 ঘন্টা -00:08:40 : _____ স্থানীয় সংস্কার _____ : 00:19:15 ঘন্টা
 ঘন্টা 00:00:00 : _____ গ্রীষ্ম সংস্কার _____ : 00:00:00 ঘন্টা
 05:33:56 : _____ সূর্যোদয় _____ : 05:03:04
 18:55:33 : _____ সূর্যাস্ত _____ : 18:29:57
 23:27:50 : _____ লাহিড়ী অয়নাংশ _____ : 23:36:31

বৃশ্চিক : _____ লগ্ন _____ : তুলা
 মঙ্গল : _____ লগ্ন লগ্নাধিপতি _____ : শুক্র
 বৃশ্চিক : _____ রাশি _____ : মেষ
 মঙ্গল : _____ রাশি-স্বামী _____ : মঙ্গল
 জ্যেষ্ঠা : _____ নক্ষত্র-স্বামী _____ : অশ্বিনী
 বুধ : _____ নক্ষত্র-স্বামী _____ : কেতু
 1 : _____ চরণ _____ : 4
 ঐন্দ্র : _____ যোগ _____ : ধৃতি
 বণিজ : _____ করণ _____ : গণ
 নো-নৌনিহাল : _____ জন্ম নামাক্ষর _____ : লা-লী
 সিংহ : _____ সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য _____ : কর্কট
 বিপ্র : _____ বর্গ _____ : ক্ষত্রিয়
 কীটক : _____ বশ্য _____ : চতুষ্পদ
 মৃগ : _____ যোনি _____ : অশ্ব
 অরি : _____ গণ _____ : দেব
 আদ্য : _____ নাড়ী _____ : আদ্য
 সর্প : _____ বর্গ _____ : মৃগ

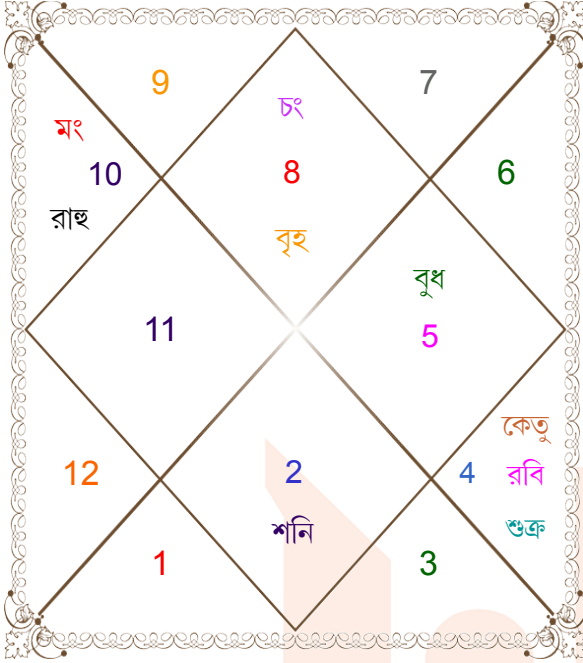
গ্রহের ডিগ্রী এবং বিংশোত্তরী

| বিংশোত্তরী | | ডিগ্রী | রাশি | গ্রহ | রাশি | ডিগ্রী | বিংশোত্তরী | |
|-----------------|------------|----------|---------|--------|-----------|----------|------------------|------------|
| বুধ 12ব 9মা 6দি | | 29:16:55 | বৃশ্চিক | লং | তুলা | 03:48:38 | কেতু 0ব 1মা 14দি | |
| চন্দ্র | | 16:00:55 | কর্ক | রবি | মিথু | 28:51:00 | মঙ্গল | |
| 09/05/2017 | | 19:59:09 | বৃশ্চিক | চং | মেঘ | 13:05:53 | 29/08/2018 | |
| 09/05/2027 | | 25:33:01 | মক | ব মং | কন্যা | 26:04:07 | 29/08/2025 | |
| চন্দ্র | 09/03/2018 | 12:50:09 | সিংহ | বুধ | মিথু | 17:18:45 | মঙ্গল | 25/01/2019 |
| মঙ্গল | 08/10/2018 | 03:14:48 | বৃশ্চিক | বৃহ | তুলা | 07:16:55 | রাহু | 13/02/2020 |
| রাহু | 08/04/2020 | 09:02:57 | কর্ক | শুক্ৰ | বৃষ | 29:54:33 | বৃহস্পতি | 19/01/2021 |
| বৃহস্পতি | 08/08/2021 | 11:06:17 | বৃষ | শনি | কন্যা | 22:28:55 | শনি | 28/02/2022 |
| শনি | 10/03/2023 | 21:05:39 | মক | ব রাহু | মিথু | 19:41:53 | বুধ | 25/02/2023 |
| বুধ | 08/08/2024 | 21:05:39 | কর্ক | ব কেতু | ধনু | 19:41:53 | কেতু | 24/07/2023 |
| কেতু | 09/03/2025 | 16:52:12 | কন্যা | ইউ | ব বৃশ্চিক | 07:13:45 | শুক্ৰ | 22/09/2024 |
| শুক্ৰ | 08/11/2026 | 06:52:04 | বৃশ্চিক | ব নেপ | ব ধনু | 01:20:18 | রবি | 28/01/2025 |
| রবি | 09/05/2027 | 04:19:06 | কন্যা | পলু | তুলা | 00:32:22 | চন্দ্র | 29/08/2025 |

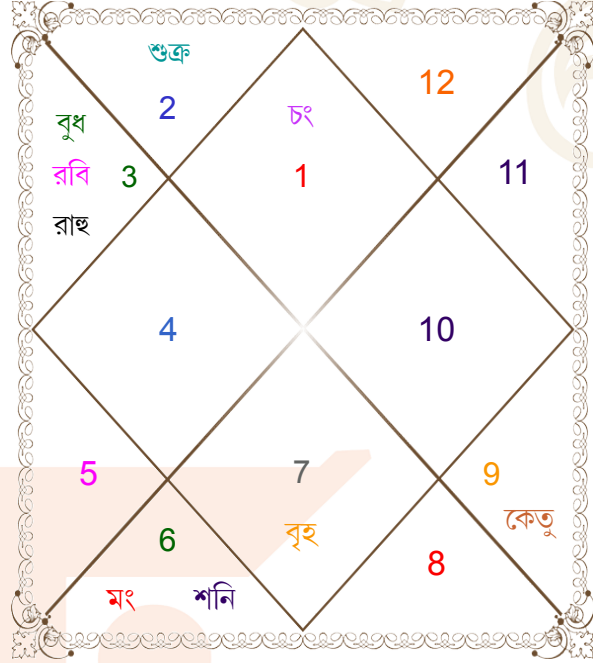
23:27:50 লাহিড়ী অয়নাংশ 23:36:31



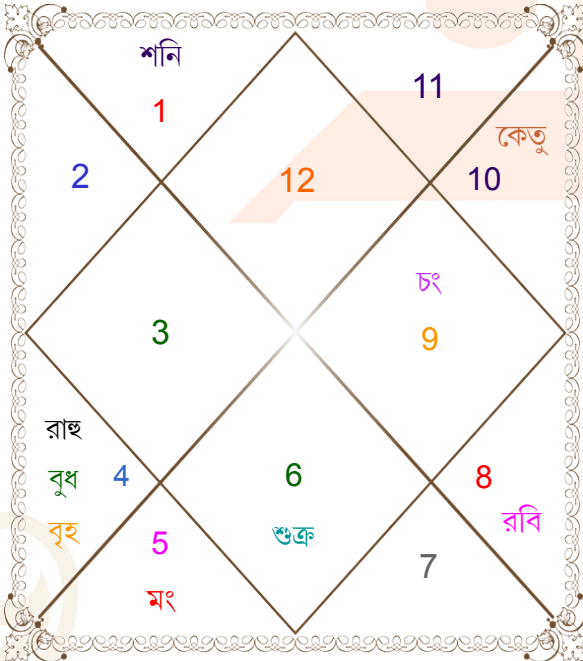
চন্দ্র কুন্ডলী



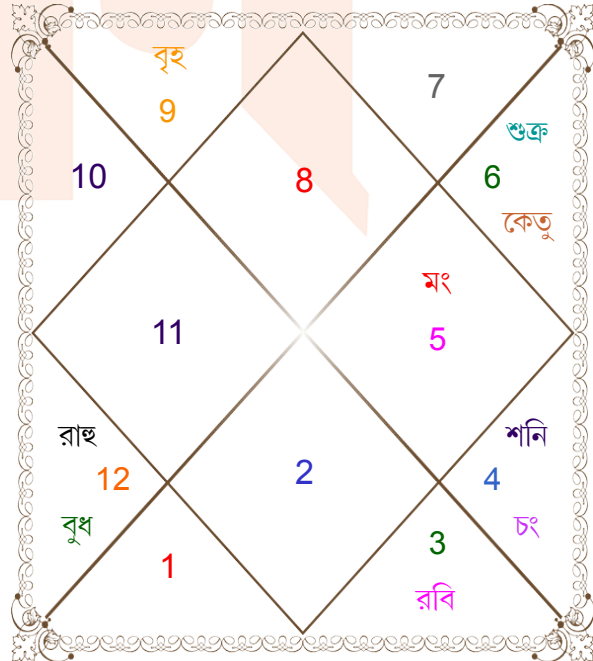
চন্দ্র কুন্ডলী



নবাংশ কুন্ডলী



নবাংশ কুন্ডলী



অষ্টকূট গুণ সারণী

| কূট | বর | কন্যা | অঙ্ক | প্রাপ্ত | দোষ | ক্ষেত্র |
|------------|----------|-----------|-----------|--------------|-----|-----------------|
| করন | বিপ্র | ক্ষত্রিয় | 1 | 1.00 | — | জাতীয় কর্ম |
| বৈশ্য | কীটক | চতুষ্পদ | 2 | 1.00 | — | স্বভাব |
| তারা | অতিমিত্র | সম্পত | 3 | 3.00 | — | ভাগ্য |
| যোগী | মৃগ | অশ্ব | 4 | 3.00 | — | যৌন বিচার |
| মৈত্রী | মঙ্গল | মঙ্গল | 5 | 5.00 | — | আপসী সম্বন্ধ |
| গণ | অরি | দেব | 6 | 1.00 | — | সামাজিকতা |
| ভকূট | বৃশ্চিক | মেঘ | 7 | 0.00 | হাঁ | জীবন শৈলী |
| নাড়ী | আদ্য | আদ্য | 8 | 0.00 | হাঁ | স্বাস্থ্য/সংতান |
| কুল | | | 36 | 14.00 | | |

ভকূট দোষ প্রভাবহীন আছে। যেহেতু দুজনের রাশি স্বামীর বন্ধুত্ব আছে।

Boy বর্গ সর্প তথা Girl বর্গ মৃগ আছে। দুজনের বর্গে পরস্পর সম আছে।

অষ্টকূট মিলন অনুসারে Boy আর Girl মিলন ঠিক নয় আছে।

Boy মাস্তলিক নয়, যেহেতু মঙ্গল লগ্ন কুন্ডলীতে তৃতীয় ভাবে অবস্থিত।

Girl মাস্তলিক, যেহেতু মঙ্গল লগ্ন কুন্ডলীতে দ্বাদশ ভাবে স্থিত।

ব্যয়ে চ কুজদোষঃ কন্যামিথুনযোরবিনা।
দ্বাদশে ভৌমদোষস্ত বৃষতৌলিকযোরবিনা।।

অর্থাৎ ব্যয় ভাবে যদি মঙ্গল বুধ এবং শুক্রের রাশিতে স্থিত হয় তো ভৌমদোষ হয় না।

কারণ মঙ্গল Girl কুন্ডলীতে দ্বাদশ ভাবে কন্যা রাশিতে স্থিত, অতএব মাস্তলিক দোষ প্রভাবহীন হয়ে গেছে।

ত্রিষট্ একাদশে রাহু ত্রিষট্ একাদশে শনিঃ।
ত্রিষট্ একাদশে ভৌমঃ সর্বদোষবিনাশকুং।।

বর বা কন্যার কুন্ডলীতে একজন মাস্তলিক ও অন্যের কুন্ডলীতে ৩, ৬, ১১ ভাবে রাহু, মঙ্গল বা শনি থাকলে মাস্তলিক দোষ সমাপ্ত হয়ে যায়।

কারণ রাহু Boy কুন্ডলীতে তৃতীয় ভাবে স্থিত অতএব মাস্তলিক দোষ কেটে গেছে।

Boy এবং Girl মাস্তলিক মিলন ঠিক আছে।

মিলন ঠিক নয় যেহেতু অষ্টকূট গুণ মেলেনি।

